सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रभावशीलता का अध्ययन

शरद कुमार शर्मा* और असरारूल गनी**
*शिक्षा संकाय, बरकतउल्ला वि. वि. भोपाल
**एन.ई.एस. शिक्षा महाविद्यालय, होशंगाबाद

शोध पत्र का सार

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास करना है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए एन.सी.एफ 2005 ने सतत एवं व्यापक मूल्यांकन को शाला स्तर पर लागू करने की सिफारिश की। म.प्र. में भी निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, 01 अप्रैल 2010 से लागू किया गया, जिसके अनुसार माध्यमिक स्तर कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस शोध कार्य को किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि, सहशैक्षिक क्षेत्र पर प्रभाव और व्यक्तिगत सामाजिक गुणों पर प्रभाव का अध्ययन करना है। इसी के अनुसार शोध कार्य की परिकल्पनाओ का निर्माण किया गया है। न्यादर्श के रूप होशंगाबाद जिले म.प्र. के 60 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक रूप से किया गया है। शोध प्रदत्त संकलन हेतु विद्यार्थियों को सत्रान्त में प्राप्त अंक सूची का उपयोग किया गया है। विभिन्न समूहों के बीच सार्थक अंतर की जांच हेतू "काई वर्ग परीक्षण" का प्रयोग किया है। इस शोध के निष्कर्ष में यह पाया गया कि सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि, सहशैक्षिक क्षेत्र में विकास एवं व्यक्तिगत समाजिक गुणो में विकास पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

प्रमुख शब्दः *सतत मूल्यांकन, शिक्षण विकास, विश्लेषण, शैक्षिक प्रक्रिया, उपलब्धि।*

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन का आधार है, मानव का विकास और उन्नयन शिक्षा पर ही निर्भर है। शिक्षा व्यक्तित्व का निर्माण भी करती है और श्रृंगार भी करती है। शिक्षा का कार्य शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए वांछित व्यवहार का विकास करना भी है। बालक के व्यवहार परिवर्तन के आधार पर यह स्पष्ट किया जा सकता है, कि अधिगम अनुभव प्रभाव पूर्ण हैं अथवा नहीं।

बालक के व्यवहार में परिवर्तन एवं शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिए शाला में मूल्यांकन कार्य किया जाता है। कोठारी कमीशन (1966) ने मूल्यांकन को परिभाषित करते हुए कहा है कि "मूल्यांकन एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जो शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग हैं तथा इसका शैक्षिक उद्देश्यों से घनिष्ठ सम्बंध है।"

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने मूल्यांकन की व्याख्या अत्याधुनिक तरीके से इस प्रकार की है –

"मूल्यांकन एक ऐसी व्यवस्थित और अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है जो निम्नांकित तीन बातों का सम्बंध निश्चित करती है ।

1. पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति किस सीमा तक हो रही है?
2. कक्षा में दिए जाने वाले अधिगम अनुभव कितने प्रभावशाली रहे हैं?
3. शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति कितने अच्छे ढंग से हुई है?"

इन बिन्दुओं के आधार पर निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि मूल्यांकन का वास्तविक लक्ष्य शिक्षा को उद्देश्य केन्द्रित बनाना है। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास है। सर्वांगीण विकास का तात्पर्य बालक के व्यक्तित्व के सभी पक्षों यथा शारीरिक, मानसिक, गत्यात्मक, सामाजिक आदि से है। इस बात को ध्यान में रखते हुए एन. सी. एफ. 2005 ने सतत एवं व्यापक मूल्यांकन को शाला में लागू करने की सिफारिश की।

म.प्र. में भी निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, 1 अप्रैल 2010 से लागू किया गया, जिसके अनुसार शासकीय विद्यालयों से विद्यार्थियों की उपलब्धि का आकलन सतत एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा किया जाता है।

म.प्र. की माध्यमिक शाला (कक्षा 6 से 8 तक) में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का क्रियान्वयन राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. भोपाल के माध्यम से वर्ष 2010 से किया जा रहा है। सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के अंतर्गत कक्षा 6 से 8वीं तक विद्यार्थियों का 6 विषयों, 5 सह शैक्षिक क्षेत्रों और 10 व्यक्तिगत सामाजिक गुणों का मूल्यांकन किया जाता है। जिनका विवरण निम्न है।

विषयात्मक पक्ष – हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान।

सह शैक्षिक क्षेत्र – साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिकता, सृजनात्मकता एवं खेलकूद।

व्यक्तिगत– सामाजिक गुण – नियमितता, समयबद्धता, स्वच्छता, अनुशासन, सहयोग की भावना, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, नेतृत्व की क्षमता, सत्यवादिता, ईमानदारी, अभिवृत्ति।

प्रस्तुत शोध कार्य में इन्हीं तीन पक्षों को ध्यान में रखते हुए सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रभावशीलता का अध्ययन किया गया है।

शोध से संबंधित पूर्व अध्ययन

1. बौरूहा, मैत्री (2010) ने प्रकाशित रिपोर्ट में बताया कि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा विद्यार्थियों के चारित्रिक गुणों का विकास होता है। सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थियों का शैक्षिक और सह शैक्षिक दोनों पक्षों का मूल्यांकन किया जाता है तथा अभिवृत्ति, मूल्य, खेलकूद तथा पाठ्यक्रम सहभागी क्रियाओं के माध्यम से विद्यार्थी की उपलब्धि को जाना जाता है। यह विद्यार्थियों के तनाव के स्तर को कम करती है तथा व्यवहार में परिवर्तन करती है।
2. अग्रवाल, सुरेश एवं भल्ला, विधि (2012) ने सतत एवं व्यापक मूल्यांकन शिक्षक की पुनः परिभाषित भूमिका पर शोध लेख लिखा । अपने लेख में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि बालक के सर्वांगीण विकास में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। साथ ही सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में शिक्षक की भूमिका चुनौती पूर्ण है क्योंकि विद्यार्थियों विकास के विभिन्न क्षेत्रों के मूल्यांकन के लिए विभिन्न उपकरणों की आवश्यकता होती है ।

3. राव, मंजुला पी. एवं टी. पुरूषोत्तम (2012) ने शिक्षकों के मूल्यांकन सम्बंधी तरीके पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रभावशीलता का अध्ययन किया। इस शोध के निष्कर्ष में पाया गया कि सतत एवं व्यापक मूल्यांकन सम्बंधी ट्रेनिंग प्रोग्राम ने न केवल शिक्षकों की मूल्यांकन के प्रति दक्षता में वृद्धि की बल्कि मूल्यांकन कौशल, शैक्षिक एवं सह शैक्षिक क्षेत्रों की दक्षता में भी वृद्धि हुई।
4. अंगदी जी. आर. और आवकी, एम.बी. (2013) ने अंग्रेजी विषय के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का अध्ययन किया है। इस अध्ययन के निष्कर्ष में अंग्रेजी विषय के अधिगम और शैक्षणिक उपलब्धि पर सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का सबल प्रभाव पाया गया।
5. मिश्रा, अमरजीत (2015) ने "केन्द्रीय माध्यमिक विद्यालय शिक्षा मण्डल द्वारा अपनायी गयी ग्रेडिंग प्रणाली एवं सतत व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के समग्र विकास पर प्रभाव" का अध्ययन किया। इस अध्ययन से निष्कर्ष में पाया गया कि केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा विकास के विभिन्न क्षेत्रों जैसे शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक, चारित्रिक विकास के मध्यमान उच्च श्रेणी के अंतर्गत आये हैं। प्राप्त परिणामों में केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की ग्रेडिंग प्रणाली एवं सतत व्यापक मूल्यांकन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पाई गई।

उद्देश्य

1. राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
2. राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के सह शैक्षिक क्षेत्र पर प्रभाव का अध्ययन।
3. राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के व्यक्तिगत सामाजिक गुणों पर प्रभाव का अध्ययन।

परिकल्पनाएँ

1. राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है ।
2. राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के सह शैक्षिक क्षेत्र पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
3. राज्य शिक्षा केन्द्र म.प्र. द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के व्यक्तिगतदृसामाजिक गुणों का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

न्यादर्श

न्यादर्श के रूप में म.प्र. के होशंगाबाद जिले के बाबई विकास खण्ड के 2 शहरी एवं 2 ग्रामीण माध्यमिक विद्यालय का चयन यादृच्छिक रूप से किया गया। प्रत्येक विद्यालय से 15 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक रूप से कर कुल 60 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत शोध में प्रदत्त संकलन हेतु विद्यार्थियों को सत्रान्त में प्राप्त अंक सूची का उपयोग किया गया ।

शोध विधि

सर्वप्रथम म.प्र. के होशंगाबाद जिले के बाबई विकास खण्ड के 2 शहरी शासकीय माध्यमिक विद्यालय एवं 2 ग्रामीण शासकीय माध्यमिक विद्यालय का चयन यादृच्छिक रूप से किया गया। इन चयनित विद्यार्थियों का सत्र के प्रारंभ में (जुलाई 2017) एवं सत्र के अंत में (अप्रैल 2018) के परिणाम शिक्षकों के सहयोग से प्राप्त कर मास्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान एवं काई वर्ग परीक्षण के द्वारा आंकडों का विश्लेषण कर निष्कर्ष प्राप्त किये गए।

परिणामों का विश्लेषण

परिकल्पना 1– राज्य शिक्षा केन्द्र मप्र द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

तालिका 1

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर प्रभाव सम्बंधी परिणाम

ग्रेड	A	B	C	D	E	कुल	काई वर्ग	'पी' मान
जुलाई 2017 सत्र के प्रारंभ में	3	6	23	19	9	60	25.60	<0.01
अप्रेल 2018 सत्र के अन्त में	8	17	30	5	0	60		

स्वतंत्रता के अंश – 4 **0.05 स्तर पर सार्थकता मान – 9.488**

उपरोक्त सारणी में विद्यार्थियो की उपलब्धि के ग्रेड सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन लागू होने के पूर्व एवं सत्रान्त में परीक्षा परिणाम दिये गये। इनके लिए काई वर्ग का मान 25.60 है जो 0.01 स्तर के लिए सारणी मान 13.277 की अपेक्षा अधिक है। इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि इनके मध्य सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है।

ग्रेडों की तुलना करने पर स्पष्ट हो जाता है कि जहाँ जुलाई में A, B, C, D और E ग्रेड क्रमश 3, 6, 23, 19 और 9 थे, सत्रान्त में क्रमशः 8, 17, 30, 5 और 0 हो गए हैं । अर्थात् सत्रान्त में म और क ग्रेड पूर्व की अपेक्षा कम हो गए जबकि C, B और A ग्रेड पूर्व की अपेक्षा अधिक हो गए हैं, जो सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अकादमिक गतिविधियों में सकारात्मक प्रभाव को प्रदर्शित कर रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पड़ा है।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है कि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पना 2 – राज्य शिक्षा केन्द्र म प्र द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के सह शैक्षिक क्षेत्र पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है ।

तालिका 2

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन को विद्यार्थियों की सह शैक्षिक क्षेत्र पर प्रभाव सम्बंधी परिणाम

ग्रेड	A	B	C	D	E	कुल	काई वर्ग	'पी' मान
जुलाई 2017 सत्र के प्रारंभ में	21	17	16	4	2	60	11.58	<0.05
अप्रेल 2018 सत्र के अन्त में	38	13	7	2	0	60		

स्वतंत्रता के अंश –4 **0.05 स्तर पर सर्थकता मान–9.488**

0.01 स्तर पर सार्थकता मान – 13.277

उपरोक्त सारणी में विद्यार्थियो के सहशैक्षिक क्षेत्रों में उपलब्धि के ग्रेड सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन लागू होने के पूर्व एवं सत्रान्त के परीक्षा परिणाम दिये गये है। इनके लिए काई वर्ग का मान 11.58 है जो 0.05 स्तर के लिए सारणी मान 9.488 की अपेक्षा अधिक है। इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि इनके मध्य सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है।

ग्रेडों की तुलना करने पर स्पष्ट हो जाता है कि जहाँ जुलाई में A, B, C, D और E ग्रेड क्रमशः 21, 17, 16, 4 और 2 थे, सत्रान्त में क्रमशः 38, 13, 7, 2 और 0 हो गए हैं । अर्थात् सत्रान्त में E, D, C और B ग्रेड पूर्व की अपेक्षा कम हो गए जबकि A ग्रेड पूर्व की अपेक्षा अधिक हो गए हैं, जो सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की सह शैक्षिक गतिविधियों में सकारात्मक प्रभाव को प्रदर्शित कर रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के सह शैक्षिक क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है कि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के सह – शैक्षिक क्षेत्र में विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पना 3– राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. द्वारा माध्यमिक शाला में लागू सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के व्यक्तिगत – समाजिक गुणों पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

तालिका 3

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के व्यक्तिगत – समाजिक गुणों पर के प्रभाव सम्बंधी परिणाम

ग्रेड	A	B	C	D	E	कुल	काई वर्ग	'पी' मान
जुलाई 2017 सत्र के प्रारंभ में	25	11	18	3	3	60	10.60	<0.05
अप्रेल 2018 सत्र के अन्त में	41	8	10	1	0	60		

स्वतंत्रता के अंश –4 **0.05 स्तर पर सर्थकता पान – 9.488**

0.01 स्तर पर सार्थकता मान – 13.277

उपरोक्त सारणी में विद्यार्थियों के व्यक्तिगत – समाजिक गुणों में प्रभाव ग्रेड सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन लागू होने के पूर्व एवं सत्रान्त के परीक्षा परिणाम दिये गये हैं । इनके लिए काई स्क्वायर का मान 10.60 है जो 0.05 स्तर के लिए सारणी मान 9.488 की अपेक्षा अधिक है। इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि इनके मध्य सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है।

ग्रेडों की तुलना करने पर स्पष्ट हो जाता है कि जुलाई में A, B, C, D और E ग्रेड क्रमशः 25, 11, 18, 3, 3 थे, सत्रान्त में क्रमशः 41, 8, 10, 1 और 0 हो गए है । अर्थात् सत्रान्त में E, D, C और B ग्रेड पूर्व की अपेक्षा कम हो गए जबकि A ग्रेड पूर्व की अपेक्षा अधिक हो गए हैं, जो सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की व्यक्तिगत – समाजिक गतिविधियों में सकारात्मक प्रभाव को प्रदर्शित कर रहे हैं । इससे स्पष्ट होता है कि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की व्यक्तिगत – समाजिक गुणों पर सार्थक प्रभाव पड़ा है।

उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है कि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन से विद्यार्थियों के व्यक्तिगत – समाजिक गुणों का विकास होता है ।

निष्कर्ष

परिणामों के विश्लेषण उपरान्त निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है कि

1. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
2. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के सह शैक्षिक क्षेत्र में विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
3. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन से विद्यार्थियों के व्यक्तिगत – समाजिक गुणों का विकास होता है ।

शैक्षिक निहितार्थ

1. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन सम्बंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रायोगिक बनाया जाना चाहिए जिससे शिक्षक शाला स्तर पर आने वाली कठिनाई को महसूस न करे।
2. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन पर और अधिक बल दिया जाना चाहिए जिससे विद्यार्थियों की विभिन्न क्षेत्रो में शैक्षिक उपलब्धि को यथार्थतापूर्वक प्राप्त किया जा सके ।
3. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा जाँच के प्रति विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए विद्यार्थियों द्वारा फीडबैक प्राप्त किया जाना चाहिए ।
4. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में नवाचारी गतिविधियों को शामिल किया जाना चाहिए।

सदर्भ

मिश्रा, अमरजीत. (2015) केन्द्रीय माध्यमिक विद्यालय शिक्षा मण्डल द्वारा अपनायी गयी *ग्रेडिंग प्रणाली एवं सतत् व्यापक मूल्यांकन का विद्यार्थियों के समग्र विकास पर प्रभाव,* शोध प्रबंध, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ।

शर्मा, आर. ए. (1993). *मापन एवं मूल्यांकन* ईगल बुक्स इन्टरनेशनल, बी.सी बाजार, मेरठ.

सोनी, रामगोपाल (2014), *'उद्योन्मुख समाज में शिक्षा,* एच. पी. भार्गव, बुक हाउस, आगरा।

प्रशिक्षण मॉड्यूल (2011). *सामर्थ्य,* मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

Aggarwal Suresh and Bhalla Vidhi. (2012). Continuous and Comprehensive Evaluation: Redefining the Role of Teacher's. *Educational Jouranal* Vol.X, 82-90.

Angadi, G. P and Akki, M. B (2013, Oct.). Impact of Continuous and Comprehensive Evaluation and Fixed Interval Schedule Achievement of Secondary School Students in English. *International Journal of Teacher Educational Research (IJTER*), Vol. 02(10), 6- 17.

Baruha, Maitreyee. (2010). *D.N.A. Banglore*. CBSE to Mark Character of student.

ManJulya P. R. and Purushothama R. T. (2004). *Effectiveness of Continuous and Comprehensive Evaluation over the Evaluation Practices of Teachers*. Retrieved from http://conference.nic.edu.sg/paper/converted%20pdf/ab00673.pdf.